International Journal of Multidisciplinary Education and Research
www.multidisciplinaryjournals.in
ISSN: 2455-4588
Received: 07-02-2023, Accepted: 24-02-2023, Published: 11-03-2023
Volume 8, Issue 1, 2023, Page No. 40-41

एकल एवं संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं का उनके शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन

प्रतीक्षा पाण्डेय[1], डॉ. छाया श्रीवास्तव[2]
[1] शोधार्थी, अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय रीवा, मध्य प्रदेश भारत
[2] प्राचार्य, रामाकृष्णा कॉलेज, सतना, मध्य प्रदेश भारत

सारांश
शोधार्थी द्वारा एकल एवं संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि के प्रभाव का अध्ययन किया गया है। इसके लिए शोधार्थी द्वारा सतना जिले का चयन किया गया है। न्यादर्श के रूप में 120 एकल एवं 120 संयुक्त परिवार की पारिवारीक लगाव वाली बालिकाओं का चयन किया गया है। सभी बालिकाए माध्यमिक स्तर की है। शैक्षिक उपलब्धि हेतु उपलब्धि परीक्षण का प्रयोग किया गया है जिसमें कुल 40 प्रश्न है। निष्कर्षतः एकल एवं संयुक्त परिवार की बालिकाओं में पारिवारिक लगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि का सकारात्मक प्रभाव पडना पाया गया है।

मूल शब्दः पारिवारिक लगाव, शैक्षिक उपलब्धि, एकल एवं संयुक्त परिवार

शोध के उद्देश्य
सतना जिले में एकल और संयुक्त परिवारों की बालिकाओं के पारिवारिक लगाव व उनकी सृजनात्मकता का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव का अध्ययन करना।

परिकल्पनाए
शोधार्थी का निम्नलिखित परिकल्पनाओं का निर्माण किया गया है।
1. एकल परिवार की बालिकाओं में पारिवारिक लगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पडता है।
2. संयुक्त परिवार की बालिकाओं में पारिवारिक लगाव व उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पडता है

परिसीमन
शोध अध्ययन हेतु कार्यक्षेत्र को निम्नांकित प्रकार से परिसीमित किया गया है।
1. मध्य प्रदेश के सतना जिला अन्तर्गत 8 विकासखण्डों सतना (सोहावल), चित्रकुट (मझिगवॉ), रामपुर बघेलान, नागौद, उचेहरा, अमरपाटन, रामनगर एवं मैहर को चयनित किया गया है।
2. सभी विकास खण्डो से 6–6 विद्यालयों अर्थात कुल 4–8 माध्यमिक (हाई स्कूल) विद्यालयों का चयन किया गया है।
3. कक्षा 10 वीं की बालिकाए एवं आवश्यकतानुसार विषयों का चयन।

शोध में प्रयुक्त उपकरण
प्रदत्तों के संकलन के लिए शोधार्थी द्वारा उपलब्धि परीक्षण (बालिकाओं हेतु) का उपयोग किया गया है।

उपलब्धि परीक्षण (बालिकाओं हेतु)
शोध के उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए प्रस्तुत शोध में बालिकाओं के लिए उपलब्धि परीक्षण की सबसे महत्वपूर्ण भूमिका है। एकल एवं संयुक्त परिवार की बालिकाओं के लिए उनकी शैक्षिक उपलब्धि के परीक्षण के लिए शैक्षिक उपलब्धि परीक्षण का निर्माण शोधार्थी द्वारा स्वयं किया गया है। यह उपलब्धि परीक्षण कक्षा 10 वीं की बालिकाओं हेतु विकसित किया गया है। परीक्षण का प्रशासन एकल एवं संयुक्त परिवार की बालिकाओं पर किया गया है। सृजनात्मक एवं सामान्य बालिकाओं पर भी उपलब्धि परीक्षण को प्रशाशित किया गया है। उपलब्धि परीक्षण कक्षा 10 वीं के गणित एवं विज्ञान विषय के प्रश्नों पर आधारित है। उपलब्धि परीक्षण में कुल 20 प्रश्न है। इसमें से 10 प्रश्न गणित एवं 10 प्रश्न विज्ञान विषय के समाहित किये गये है। प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आवंटित किये गये है। प्रश्नों को हल करने हेतु 60 मिनट का समय निर्धारित किया गया है।
प्रस्तुत शोध सम्पादन के आंकडों के संकलन के लिए उपलब्धि परीक्षण के अतिरिक्त दो उपकरण और पहला–साक्षात्कार अनुसूची संस्था प्रमुखों के लिए तथा दूसरा–साक्षात्कार अनुसूची अभिभावकों के लिए उपयोग किये गये है। इनके विस्तृत वर्णन से पहले साक्षात्कार को जान लेना उचित होगा।

शोध में प्रयुक्त न्यादर्श
शोधार्थी द्वारा आकड़ों के संकलन हेतु निम्नानुसार न्यादर्श का चयन किया गया है।
1. एकल परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाए = 120
2. संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाए= 120

आंकडो का विश्लेषण

तालिका क्रमांक 1: एकल एवं संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं के उपलब्धि परीक्षण के प्राप्तांक (पूर्णांक 40)

	आवृत्रि	
वर्गान्तर (प्राप्तांक)	एकल परिवार की बालिकाए	संयुक्त परिवार की बालिकाए
00–10	03	02
10–20	15	13
20–30	64	45
30–40	38	60
योग	120	120

व्याख्या
उक्त तालिका से स्पष्ट है कि उपलब्धि परीक्षण के 40 पूर्णांक में 30–40 अंक पाने वाली एकल परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं की संख्या 38 जबकि संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं की संख्या 60 है। दोनो ही समूहों में उपलब्धि परीक्षण मे शामिल होने वाली बालिकाओं की संख्या 120–120 हैं। आंकड़ों से स्पष्ट है कि दोनों ही समूहों की बालिकाओं का निष्पादन अच्छा है। और भी स्पष्ट करने हेतु शोधार्थी द्वारा दोनों समूहों के प्राप्तांकों का मध्यमान निकाला गया है जो निम्नवत् है।

तालिका क्रमांक 2: एकल एवं संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं के प्राप्तांकों का अध्ययन

क्र०	समूह	प्राप्तांकों का अध्ययन
1	एकल परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाए	26.42
1	संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाए	28.58

व्याख्या

एकल परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं के प्राप्तांकों का मध्यान 26.42 है। कुल पूर्णांक 40 में 26.42 मध्यमान का तात्पर्य एक अच्छी शैक्षिक उपलब्धि है। 40 में 26.42 का तात्पर्य 66.05 प्रतिशत अंक से है। 66.05 प्रतिशत अंक का तात्पर्य प्रथम श्रेणी परीक्षा परिणाम से है। अर्थात् एकल परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं की शैक्षिक उपलब्धि अच्छी पायी गई अतः शोधार्थी का परिकल्पना क्रमांक–1 "एकल परिवार की बालिकाओं में पारिवारिक लगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता हैा" स्वीकृत होती है।

इसी प्रकार आंकड़ो के अन्य विश्लेषण मे यह पाया गया कि संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं के प्राप्तांकों का मध्ययान 28.58 है। कुल पूर्णांक 40 में 28.58 का तात्पर्य 71.45 प्रतिशत है। 71.45 प्रतिशत माध्य परिणाम एक अच्छे परिणाम की श्रेणी में आता है। 71.45 प्रतिशत परीक्षा परिणाम का तात्पर्य प्रथम श्रेणी परीक्षा परिणाम से है। इसका तात्पर्य यह भी है कि संयुक्त परिवार की संयुक्त परिवार की ऐसी बालिकांए जिनमें पारिवारिक लगाव है, उनकी शैक्षिक उपलब्धि बेहतर है। अतः शोधार्थी की परीकल्पना क्रमांक–2 "संयुकत परिवार की बालिकाओं में पारिवारिक लगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।" स्वीकृत होती है।

निष्कर्ष

शोधार्थी द्वारा एकल एवं संयुक्त परिवार की माध्यमिक स्तर की ऐसी बालिकाएँ जिनका पारिवारिक लगाव रहता है और ऐसी बालिकाएँ जो सृजनात्मक है, शैक्षिक उपलब्धि एवं शैक्षिक मूल्य का अध्ययन किया गया है। अध्ययन के परिणाम स्वरूप जो निष्कर्ष प्राप्त हुए हैं, उनका वर्णन इस प्रकार है, उच्चतम शैक्षिक परिणाम प्राप्त करने वाली लडकियों की संख्या एकल परिवार की अपेक्षा संयुक्त परिवार की पारिवारिक लगाव वाली बालिकाओं में अधिक है। यह अन्तर बहुत ज्यादा नहीं है। एकल एवं संयुक्त परिवार की बालिकाओं में परिवारिक लगाव का उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर सकारात्मक प्रभाव पडना परिलक्षित हुआ है।

संदर्भ सूची

1. गुप्ता, संगीता (2015), "संयुक्त एवं एकल परिवारों से आने वाले विद्यार्थियों की समायोजन की समस्या तथा उनकी शैक्षिक उपलब्धि पर पडने वाले प्रभाव का अध्ययन", उच्च अध्ययन शिक्षा संस्थान मान्य विश्वविद्यालय गाँधी विद्या मंदिर, सरदार शहर, पी–एच डी० शोध प्रबंध।
2. शर्मा, लक्ष्मी (2017) बच्चों के व्यक्तित्व विकास में संयुक्त परिवार की भूमिकाः एक शोधात्मक अध्ययन", इनोवेशन द रिसर्च कान्सेप्ट, वोल्यूम–2, इथ्यू–3, अप्रैल, पेज–29–31।
3. यादव, सियाराम एवं सिंह, अमित (2018), माध्यमिक स्तरस्तर के विद्यार्थियों के शैक्षिक उपलब्धि पर पारिवारिक वातावरण के प्रभाव का अध्ययन, आई०जे०एस० आ०एस०टी०, वाल्यूम–4, इश्यू–7, पेज 1–5